मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

# बहाई समाचारपत्र

Posted at DPSO
Delhi on 10/11.05.2026
**Sender's Address:**
**6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA**
वर्ष : 62 अंक 05 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
मई 2026 बहाई वर्ष : 183

### विश्व न्याय मन्दिर

अब तक हमने जिन उपलब्धियों को बताया है—प्रभुधर्म का सीधे संदेश देने की क्षमता में वृद्धि, समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों के साथ आध्यात्मिक महत्व के विषयों पर सार्थक बातचीत, पावन लेखों के अध्ययन को व्यवहार में उतारना, आस–पड़ोस और गाँवों के किशोरों को नियमित रूप से आध्यात्मिक शिक्षण देने के संकल्प को दोहराना, ऐसे कार्यक्रम के प्रभाव को बढ़ाना जो किशोरों में दोहरे नैतिक उद्देश्य अपनी निहित क्षमता में वृद्धि और समाज के रूपांतरण में योगदान देने की भावना में वृद्धि करे—यह सभी संस्कृति के स्तर पर एक और विकास को बढ़ावा देगी, जिनका प्रभाव निश्चित रूप से दूरगामी है।

*—28 दिसम्बर 2010*

## भारत में रिज़वान का महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

त्यौहारों का सम्राट रिज़वान, जिसे दुनिया भर के बहाई हर वर्ष श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं, धार्मिक इतिहास के एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षण की स्मृति में मनाया जाता है। अप्रैल 1863 के अंत में, बगदाद से इस्तांबुल के लिए प्रस्थान करने से पहले, बहाउल्लाह—जो बहाई धर्म के प्रवर्तक और ईश्वर के इस युग के अवतार हैं—ने बारह दिन टाइग्रिस नदी के किनारे एक उद्यान में बिताए, जिसे उन्होंने "रिज़वान" अर्थात् "स्वर्ग" नाम दिया। यही वह स्थान था जहाँ उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वयं को बाब द्वारा प्रतिज्ञात दिव्य शिक्षक घोषित किया—वह दिव्य संदेशवाहक जिन्होंने एक नए युग के प्रणेता के आगमन की तैयारी की थी। बहाउल्लाह की यह घोषणा उनके मिशन की औपचारिक शुरुआत थी, जो मानव एकता और समग्र मानवजाति के आध्यात्मिक जागरण की दिशा में एक नया युग लेकर आई।

सम्पूर्ण भारत भर में बारह दिनों के इस पवित्र महापर्व को भक्तिभाव और आनंद के साथ मनाया गया, जहाँ सुसंगठित कार्यक्रमों के माध्यम से रिज़वान की भावना को जीवंत किया गया। आयोजन स्थलों को गुलाब की पंखुड़ियों और फूलों से सजाया गया, जिससे रिज़वान उद्यान की सुंदरता और शांति की अनुभूति उत्पन्न हुई। समुदाय के मित्रों ने प्रार्थनाएँ कीं संगीत, कहानियों और पवित्र लेखों के पाठ के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण ने उपस्थित मित्रों को आत्मविभोर कर दिया। समुदायों ने बहाउल्लाह के संदेश की आध्यात्मिक महत्ता और उसकी आज की मानवता के सामने खड़ी चुनौतियों में प्रासंगिकता पर चिंतन किया। यह पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक ऐसा अवसर बना जिसमें व्यक्ति और समुदाय समाज की उन्नति में अपनी भूमिका पर मनन करते दिखाई दिए। इस अवसर पर समुदायों ने बहाई चुनावों में भी अपनी प्रतिभागिता दर्ज की और स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं का गठन भी किया गया।




**भारत में मनाये गए रिज़वान महापर्व के उत्सवों की कुछ झलकियाँ**

### इस अंक में



## राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा का गठन

इस वर्ष राष्ट्रीय अधिवेशन रिज़वान के चौथे, पाँचवे और छठे दिन बहाई उपासना मंदिर के प्रांगण में शिक्षा केन्द्र के सभागार में 24, 25 और 26 अप्रैल, 2026 को सम्पन्न हुआ। अधिवेशन विधिवत प्रार्थनाओं से आरम्भ हुआ, निवर्तमान राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के अध्यक्ष ने प्रतिनिधियों और पर्यवेक्षकों का स्वागत किया। अधिवेशन में विभिन्न प्रदेशों से उपस्थित प्रतिनिधियों ने वर्ष 2026–2027 के लिए राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा का चुनाव किया। अधिवेशन में 69 प्रतिनिधि और 50 से अधिक पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सलाहकार दृगपाल सिंह और उत्तम मित्रा उपस्थित रहे, जिनके मार्गदर्शन में अधिवेशन पूर्ण हुआ और राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा का चुनाव किया गया।

अधिवेशन के दूसरे दिन प्रार्थनामय वातावरण में निम्नलिखित मित्रगण राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सदस्यों के रूप में निर्वाचित किए गए :

1. सुश्री नाज़नीन रौहानी
2. श्री दिनेश राव
3. श्री लतीफ रशीद
4. डॉ. मयूरी मोहाजर
5. डॉ. ललिता शर्मा
6. डॉ. एल्हाम मोहाजर
7. डॉ. मंगेश तेली
8. श्रीमती मार्था मोग्बेलपुर
9. श्री शाहराम जवांमर्दी




**बाएँ से दाएँ : सुश्री नाज़नीन रौहानी, श्री शाहराम जवांमर्दी, डॉ. एल्हाम मोहाजर, श्री दिनेश राव, डॉ मयूरी मोहाजर, डॉ. मंगेश तेली, श्री लतीफ रशीद, डॉ. ललिता शर्मा और श्रीमती मार्था मोग्बेलपुर।**

भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के निम्नलिखित मित्रों को वर्तमान प्रशासनिक वर्ष 2026–2027 के लिए पदाधिकारी के रूप में चुना गया है।

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री लतीफ रशीद | – | अध्यक्ष |
| 2. | सुश्री नाज़नीन रौहानी | – | सचिव |
| 3. | श्री दिनेश राव | – | कोषाध्यक्ष |
| 4. | डॉ. मंगेश तेली | – | उपाध्यक्ष |

# समाचारचित्र



श्री कुशल गुप्ता और सुश्री स्नेहा पवार का विवाह महाराष्ट्र के कल्याण में 5 अप्रैल, 2026 को कल्याण की स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



झारखण्ड में आसनबनी क्लस्टर के श्री गुरुचरण सिंह और नीमडीह क्लस्टर की सुश्री प्रभावती सिंह का विवाह बहाई विधिविधान के अनुसार आसनबनी स्थानीय सभा के तत्वावधान में 28 अप्रैल, 2026 को सम्पन्न हुआ।



पर्वराज रिज़वान के उत्सव के दौरान महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में गाँव वालों के लिए बहाई समुदाय द्वारा एक स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें उनकी स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान की गई और उन्हें उपचार योजना तथा दवाएँ दी गईं। इस अवसर पर लगभग 200 से 250 गाँव वालों को प्रभुधर्म से संबंधित जानकारी भी दी गई।

# सिक्किम में दो दिवसीय बैठक का आयोजन

गंगटोक स्थित बहाई भवन में आयोजित समन्वयकों की दो दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रभुधर्म की प्रगति के लिए समर्पित मित्रों का एक समूह एकत्रित हुआ।

सहायक मण्डल सदस्यों, क्षेत्रीय बहाई परिषद के सचिव, प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के सदस्यों और उप–क्षेत्रीय एवं क्लस्टर समन्वयकों की उपस्थिति से यह बैठक और भी समृद्ध हुई। उनकी उपस्थिति ने सामूहिक प्रयासों को गहनता, प्रोत्साहन और स्पष्टता प्रदान की।

में योगदान के आध्यात्मिक महत्व के प्रति उनकी समझ और भी मजबूत हुई। सत्र के अंत में, मित्रों को राष्ट्रीय कोष में नियमित रूप से योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रतिज्ञा प्रपत्र वितरित किए गए और बाद में प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के कोषाध्यक्ष को सौंप दिए गए, जो क्षेत्रीय बहाई परिषद के कोषाध्यक्ष के साथ आगे समन्वय करेंगे। उपस्थित सभी लोगों की प्रतिक्रिया वास्तविक और उत्साहवर्धक थी।

इस बैठक में अगले तीन महीनों की योजना पर विचार–विमर्श भी



गंगटोक में आयोजित बैठक में प्रतिभागी अध्ययन करते हुए

इस बैठक के दौरान प्रशिक्षण संस्थान मण्डल द्वारा समन्वयकों की स्थिति, भूमिका और जिम्मेदारियों पर तैयार किए गए दस्तावेज का गहन अध्ययन किया। ''प्रशिक्षण संस्थान : उच्च स्तर की कार्यक्षमता प्राप्त करना'' से प्राप्त जानकारियों के माध्यम से इसे और अधिक गहराई से समझा गया। सत्रों ने संस्थान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सभी को अपनी जिम्मेदारियों की स्पष्ट और एकीकृत समझ प्राप्त करने में मदद की। ''दोहरा नैतिक उद्देश्य'' नामक एक लघु फिल्म भी देखी गई, जिसके बाद विचारों का व्यापक आदान–प्रदान हुआ।

सहायक मण्डल सदस्यों और प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के कोषाध्यक्ष के सहयोग से बहाई कोष पर एक सार्थक सत्र आयोजित किया गया। मित्रों ने अपने हार्दिक विचार और वास्तविक जीवन के अनुभव साझा किए, जिससे कोष

किया गया। प्रशिक्षण संस्थान मण्डल द्वारा तैयार किए गए पूर्व–निर्धारित प्रारूप का उपयोग करते हुए, समन्वयकों ने मुख्य गतिविधियों को सुदृढ़ करने और निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए योजनाओं की रूपरेखा तैयार करना शुरू किया। सभी समन्वयकों से अनुरोध किया गया कि वे अपनी योजनाएँ शीघ्र प्रस्तुत करें ताकि प्रशिक्षण संस्थान मण्डल प्रभावी ढंग से उनका मार्गदर्शन और समर्थन कर सके।

सेवा और एकता की भावना न केवल सत्रों में बल्कि पूरे आयोजन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। गंगटोक क्लस्टर के बहाई मित्रों ने अत्यंत प्रेम और निस्वार्थ भाव से सेवा की। तादोंग बहाई स्कूल के प्रधानाचार्य का विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिनकी सहायता से कार्यक्रम का सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ।

# विश्व न्याय मंदिर

**रिज़वान 2026**

विश्व के बहाइयों को

परम प्रिय मित्रों

अब नौ वर्षीय योजना का दूसरा, महानतर चरण आरंभ हो रहा है। हम देखते हैं कि वैश्विक बहाई समुदाय एक साथ, उचित आत्मविश्वास के साथ उस मार्ग पर अग्रसर हो रहा है, जिसे उसने निर्धारित किया है। इसकी स्पष्टता और दृढ़ विश्वास त्रुटिहीन है। विश्व में बढ़ती उथल–पुथल से अविचलित, यह अपने पवित्र मिशन पर केंद्रित है। हमें विशेष रूप से यह देखकर हर्ष होता है कि नए संपुष्ट अनुयायी सेवा और कार्य के क्षेत्र में उत्सुकता से उनके साथ अपना स्थान प्राप्त कर रहे हैं, जो लंबे समय से प्रभुधर्म में संपुष्ट हैं। तीसरे मील के पत्थर वाले समुदाय–समूह समृद्ध अनुभव प्राप्त करने और उसका प्रसार करने के लिए उपजाऊ भूमि सिद्ध हो रहे हैं। और हमें यह देखकर भी प्रसन्नता हुई कि मित्र हर जगह हमारे उस संदेश पर विचार कर रहे हैं, जिससे हमने दिसंबर में यहाँ एकत्रित सलाहकारों को संबोधित किया था, और इसकी विषयवस्तु को अपनी योजना और कार्यों में उपयोग कर रहे हैं।

यह उद्देश्यपूर्ण चेतना विशेष रूप से उन संस्थागत बैठकों में स्पष्ट दिखी है, जो विश्व भर में आयोजित की गई हैं। बार–बार, इन बैठकों के विवरणों में एक ही परिदृश्य को रिपोर्ट किया गया हैः एक गहन, अंतर्दृष्टिपूर्ण वार्तालाप, जीवंत समुदायों के निर्माण के प्रत्यक्ष अनुभव पर आधारित न कि धारणाओं या सिद्धांत पर। यह वार्तालाप प्रत्येक स्थान पर जारी सीखने की प्रक्रिया से अनुप्राणित होता है। यह बहाई समुदाय के प्रयासों के महत्व और दिशा की आवश्यकता से व्याकुल विश्व के लिए इन प्रयासों के धारित निहितार्थों की गहरी समझ से ओत–प्रोत है। जिम्मेदारी और संकल्प की भावना व्यापक रूप से अनुभव की गई है, और कार्य की व्यापकता के प्रति तीव्र जागरूकता है। अक्सर, यह वार्तालाप एक अतिरिक्त, पूरक दृष्टिकोण उपलब्ध कराता है जो समुदायों और व्यक्तियों के प्रयासों को केवल कार्यक्रमों और परियोजनाओं की खोज के रूप में नहीं, बल्कि दिव्य शिक्षाओं पर आधारित जीवन शैली के पोषण करने के रूप में पहचान करती है–क्रियाओं, अंतरक्रियाओं और आकांक्षाओं को आकार देना।

सीखने की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला यह गंभीर वार्तालाप, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तरों से लेकर गाँव और पड़ोस तक, और संस्थाओं द्वारा आयोजित बैठकों के साथ–साथ अन्य उभरते मंचों सहित विभिन्न प्रकार के परिवेशों में, पूरे समुदाय में आगे बढ़ा है। यह निश्चित रूप से राष्ट्रीय अधिवेशन की भी एक विशिष्टता होगी। हम इस वार्तालाप के आगे बढ़ने से व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई के पैटर्न को मजबूत और विस्तार पाते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। सदैव की भांति, यह एक वार्तालाप है जिसे मित्रों, पड़ोसियों और मानवजाति की एकात्मकता पर आधारित आध्यात्मिक और भौतिक प्रगति लाने के प्रयास के साथ पहचाने जाने वाले समान विचारधारा वाले लोगों के निरंतर विस्तृत होते दायरों के मध्य बढ़ाया जाना चाहिए। इस वार्तालाप को विस्तारित करने के लिए बनाए जा रहे अवसरों–चाहे वे स्वतःस्फूर्त हों या लंबे समय पहले से योजनाबद्ध–समाज के साथ गहन भागीदारी का संकेत हैं, और हमें आशा है कि उत्तरोत्तर और भी आम होते जाएंगे।

व्यापक समाज में अनेक लोग, जो बहाइयों की तृणमूल गतिविधियों से परिचित होते हैं, उनकी विशिष्ट विशेषताओं से प्रभावित हो जाते हैंः यह सभी की भलाई के लिए एक सच्ची चिंता से उत्पन्न होता है, यह एकता और सेवा की ओर उन्मुख होती है, और यह स्पष्ट सिद्धांतों का पालन करती है फिर भी हर समस्या का तात्कालिक समाधान होने का दावा नहीं करतीं। साझा प्रयास की भावना में, बहाई–जन दूसरों के साथ सहयोग करने और साथ में सीखने का प्रयास करते हैं; और समाज में अधिकार और जिम्मेदारी के पदों पर आसीन लोगों के साथ अपने संबंधों में, वे गंभीर और स्पष्टवादी होते हैं। वे राजनीतिक महत्वाकांक्षा या स्वार्थ के बगैर सामाजिक परिवर्तन चाहते हैं, वे यह पहचानते हैं कि जैसे–जैसे प्रभुधर्म की प्रसिद्धि बढ़ेगी, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि इसके वास्तविक स्वरूप और उद्देश्य को भली–भांति समझा जाए। अनेक स्थानों पर, समुदाय की समाज के साथ बढ़ती अंतःक्रियाओं का अनिवार्य रूप से अर्थ है कि नई स्थितियों का सामना करना पड़ेगा और नए प्रश्नों के उत्तर देने होंगे, और यह समुदाय को अपनी सक्षमताओं को और विकसित करने के लिए बाध्य कर रहा है।

जैसा कि हमने हाल की सलाहकारों के सम्मेलन को अपने संदेश में स्पष्ट किया था कि पिछले चार वर्षों में एक महत्वपूर्ण विकास यह रहा है कि समुदाय योजना के एक अधिक सुस्पष्ट नायक के रूप में उभर रहा है, जो विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने और विशेष क्षेत्र के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए स्वयं को संगठित कर रहा है, सहभागी व्यवस्थाओं के माध्यम से पारस्परिक समर्थन प्रदान कर रहा है, और कार्रवाई के एक विकसित होते ढांचे में अधिक प्रभावी होना सीख रहा है। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण युवा समूह हैं, जो किसी स्थानीय क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं और अपने साथियों की भागीदारी को प्रोत्साहित कर रहे हैं। स्वाभाविक रूप से, उनके प्रयासों को संस्थाओं के स्नेहपूर्ण प्रोत्साहन और मार्गदर्शन से अत्यधिक लाभ होता है, लेकिन युवाओं ने भी पहल करने और सेवा के फलदायी मार्गों की पहचान करने की अपनी क्षमता दिखाई है। अधिकांश समय, उनके प्रयास संघर्ष और अव्यवस्था, आर्थिक असमानता और गहरे सामाजिक विभाजनों की पृष्ठभूमि में हो रहे हैं। हम उन चुनौतियों को पहचानते हैं जिनका सामना युवा ऐसी परिस्थितियों में करते हैं, और हम आलोचना और निंदा करने की इच्छा का विरोध करने के लिए उनकी सराहना करते हैंः इसके स्थान पर वे इन थोपी गई बाधाओं से बचने और अंततः उन पर विजय पाने की दिशा में काम करने के लिए रचनात्मक तरीके खोज रहे हैं।

प्रिय मित्रों, समय चाहे कितना ही उथल–पुथल भरा क्यों न हों, हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप सशंकित या हतोत्साहित न हों। 'अब्दुल–बहा' हम सभी को ईश्वर की कृपाओं पर भरोसा करने की सलाह देते हैं, और इसीलिए 'सदैव आशावान', अपनी आशा में 'दृढ़', और 'निराश आत्मा के लिए आशा का कारण' बनें। जब विश्व के क्षितिज अंधकारमय हो जाते हैं, आशा एक दुर्लभ और मूल्यवान संसाधन बन जाती है–लेकिन यह एक चीज है, जिसका सर्वमहान नाम के समुदाय को, प्रचुरता का आशीर्वाद प्राप्त रहा है क्योंकि उसने मानवता के भविष्य के बारे में अपने दृढ़ यकीन और अपने अनुभव से जो सीखा है, असंख्य लोग उस आशा के लिए तरसते हैं, जिसे आप उनके हृदय में ला सकते हैं।

आशा की लौ को लंबे समय से संजोए रखने वाले समुदाय के एक सुनहरे उदाहरण के लिए, हम उन पीड़ित, पर सदैव धैर्यवान, सदैव अडिग, सदैव चुनौतियों का सुगमता से सामना करने वाले बहाउल्लाह के अनुयायियों की ओर देखते हैं जो प्रभुधर्म के पालने में हैं। देखिए कि वे कितने अनुशासित बने रहे हैं, दशकों के अनवरत उत्पीड़न के बावजूद सिद्धांतों के प्रति कितना समर्पित रहे हैं–और यह भी कि वे अपने साथी अनुयायियों द्वारा अन्य देशों में की गई प्रगति से सीखने के लिए कितने दृढ़ कटिबद्ध रहे हैं, अपने ही देश में अपने नागरिकों की सेवा और उन्हें सांत्वना देने के लिए कितने संकल्पित रहे हैं। अपने अनेक देशवासियों के लिए वे आशा की एक किरण, करुणा और अंतर्दृष्टि का स्रोत और सेवा के मार्ग पर विश्वसनीय साथी रहे हैं और बने हुए हैं। हाल के सप्ताहों और महीनों में, ये मित्र जिन्हें हम अत्यधिक पसंद करते हैं, हमारे विचारों में निरंतर उपस्थित रहे हैं और हमारी प्रार्थनाओं के बार–बार विषय रहे हैं, हमें यकीन है कि वे आपके विचारों में भी रहे होंगे, सर्व–प्रेमपूर्ण प्रभु से यह प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें अपने कोमल स्नेहिल देखभाल के आलिंगन में रखें।

ईश्वर के कार्य को आगे बढ़ाने के आपके अपने प्रयास हमारी प्रार्थनाओं के केंद्र में कमतर नहीं हैं जिन्हें हम पवित्र देहरी पर अर्पित करते हैं–विशेषतः अब, नौ वर्षीय योजना के नए चरण के प्रारंभ में। जितनी बार भी हम पवित्र समाधियों में जाते हैं, हम आपके प्रयासों के लिए दिव्य सहायता और सहयोग की याचना करते हैं, और आपके श्रम में साहस और शक्ति के लिए अनुनय करते हैं। आप कार्य में तत्पर हों तथा सीखने को उत्सुक, और दिव्य साम्राज्य के सभी आशीर्वाद आप पर विराजें।

विश्व न्याय मंदिर

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2024-25-26

## झारखण्ड में दो दिवसीय विकास सहयोगियों की बैठक सम्पन्न

झारखण्ड में जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में राज्य बहाई परिषद के मार्गदर्शन में दो दिवसीय राज्य स्तरीय विकास सहयोगियों की एक संयुक्त बैठक का आयोजन 4 और 5 अप्रैल, 2026 को किया गया। इस बैठक में कुल 12 विकास सहयोगी शामिल हुए, जिसमें से 5 राज्य स्तरीय एवं अन्य क्लस्टर स्तरीय विकास सहयोगी थे। इस दो दिवसीय बैठक में विकास सहयोगियों के कार्य क्षेत्रों से संबंधित विश्व न्याय मंदिर के परिपत्रों के अनुच्छेदों का अध्ययन किया गया और उससे प्राप्त अंतर्दृष्टियों पर की नियमित बैठकों को सुनिश्चित करना एवं तिमाही एवं वार्षिक मूल्यांकन और योजना तैयार करने के प्रबल उद्देश्य से बुलाई गई थी। बैठक के दौरान सांख्यिकी को व्यवस्थित करने को लेकर भी अध्ययन और परामर्श किया गया और प्रत्येक सहयोगी को यह निर्देश दिया गया कि वो प्रत्येक तिमाही में क्लस्टर की ग्रोथ प्रोफाइल भेजने में स्थानीय सांख्यिकी मित्रों की सहायता करें। बैठक के दौरान सेवा, त्याग और समर्पण की भावना को और दृढ़ता प्रदान करने को लेकर कुछ पवित्र अंशों का भी



झारखण्ड में आयोजित विकास सहयोगियों की बैठक के प्रतिभागी

परामर्श कर योजनाएँ बनाई गईं। बैठक का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक क्लस्टरों में समीक्षा बैठकों के आयोजनों से संबंधित तैयारी करना, प्रार्थना सभाओं एवं परिवारों के समूहों को सुव्यवस्थित करने से संबंधी रणनीतियाँ तैयार करना, अधिक से अधिक विकास समितियों अध्ययन किया गया, जिसने उपस्थित मित्रों के आत्मविश्वास को और नवस्फूर्ति प्रदान की। कार्यक्रम के अंतिम समय में बचे हुए क्लस्टरों की तिमाही और वार्षिक योजना और मूल्यांकनों को सभी ने साथ मिलकर तैयार किया।

### निवेदन

प्रिय मित्रों,

अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें।

*धन्यवाद !*

## पश्चिम बंगाल में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के साथ सार्थक संवाद



पश्चिम बंगाल में पुरुलिया स्थित जबर्राह स्थानीय आध्यात्मिक सभा (पारा क्लस्टर) ने क्षेत्र की एकीकृत बाल विकास सेवाएँ (आईसीडीएस) कार्यकर्त्रियों के साथ एक सामाजिक प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया। चर्चा का विषय समाज में बच्चों और किशोरों की भौतिक, मानवीय और आध्यात्मिक शिक्षा के विकास में योगदान और सामाजिक सहयोग था। उन्होंने शैक्षिक विचारों को साझा करते हुए और भविष्य में समाज को सहयोग देने के बारे में बात करते हुए चर्चा में अग्रणी भूमिका निभाई। उन्हें प्रभुधर्म की शिक्षा के माध्यम से समाज की उन्नति की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

### ● निधन

#### प्रो. जनबाराव टी. ठाकरे

हमें यह बताते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि महाराष्ट्र के नागपुर समुदाय के समर्पित वरिष्ठ बहाई प्रो. जनबाराव टी. ठाकरे का 21 मार्च 2026 को नाशिक में निधन हो गया। प्रो. ठाकरे ने लगभग पाँच दशकों तक अलग–अलग क्षमताओं में प्रभुधर्म में अपनी सेवाएँ दीं। उन्होंने महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों का भ्रमण किया, जिसके परिणामस्वरूप बाद में वहां स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं का गठन हुआ। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

#### श्री नन्द गोपाल



हमें यह बताते हुए अत्यंत खेद हो रहा है कि श्री नन्द गोपाल का 22 मार्च 2026 को पश्चिम बंगाल में निधन हो गया। वह पिछले कई वर्षों से अस्वस्थ थे। श्री नन्द गोपाल ने विभिन्न क्षमताओं में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। उन्होंने गुरुग्राम में बहाई समुदाय के निर्माण में बहुत योगदान दिया था। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

कुल पृष्ठ संख्या–4
बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2024-25-26
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post
Posted at DPSO
Delhi on 10/11.05.2026
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

सुशील कुमार द्वारा संपादित, प्रकाशित और मुद्रित समाचारपत्र का स्वामित्व राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110001,
मुद्रण : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 (सुशील कुमार : सम्पादक एवं प्रकाशक)